सहयोगात्मक पर्यवेक्षण आख्या जनपद–उन्नाव

मिशन निदेशक, एन0एच0एम0 के पत्रांक एस.पी.एम.यू. / एन.एच.एम. / एम.एण्ड.ई / 2018–19 / **18 / 565–2 दिनांक 24.04.2018 एवं पत्रांक एस.पी.एम.यू. / एन.एच.एम. / एम.एण्ड.ई. / 2018–19 / 18 / 896–2 दिनांक 04.05.2018** में प्रदत्त निर्देशानुसार दिनांक 27.06.2018 एवं 28.06.2018 के मध्य जनपद–उन्नाव की चिकित्सा इकाइयों / सामुदायिक स्तर के कार्यक्रमों का पर्यवेक्षण किया गया–

राज्य स्तरीय टीम के सदस्य–

- **श्रीमती पल्लवी पाण्डेय, परामर्शदाता–प्रोक्योरमेन्ट, एस0पी0एम0यू0, एन0एच0एम0, लखनऊ।**
- **श्रीमती रश्मि सिन्हा, प्रोग्राम असिस्टेन्ट–प्लानिंग, एस0पी0एम0यू0, एन0एच0एम0, लखनऊ।**

दल द्वारा पर्यवेक्षण के दौरान आच्छादित की गई इकाइयां / गतिविधियां–

1. नवाबगंज, एफ0आर0यू0–सी0एच0सी0, जनपद–उन्नाव।
2. एडीशनल पी0एच0सी0, चमरौली, जनपद–उन्नाव।
3. डी0पी0एम0यू0–उन्नाव।
4. उमाशंकर दीक्षित महिला चिकित्सालय, लखनऊ।
5. उमाशंकर दीक्षित पुरुष चिकित्सालय, लखनऊ।
6. ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस, हिमाचल खेड़ा (सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र अचलगंज के अंतर्गत)

अवलोकित गतिविधियां	सुझाव / सुधारात्मक कार्यवाही	कार्यवाही का स्तर
दिनांक 27.06.2018 एफ0आर0यू0 / सी0एच0सी0–नवाबगंज		
मुख्य चिकित्सा अधीक्षक द्वारा अवगत कराया गया कि सपोर्टिव सुपरविजन हेतु एक वाहन सी0एच0सी0 पर उपलब्ध है। उनके द्वारा संज्ञान में लाया गया कि चूंकि यह सी0एच0सी0 मुख्य मार्ग पर स्थित है, अतः यहां ट्रामा के रोगी अधिक संख्या में आते हैं, जिसके लिए 7–8 बेड के ट्रॉमा सेन्टर की आवश्यकता है।	मुख्य चिकित्सा अधीक्षक को सुझाव दिया गया कि ट्रॉमा सेन्टर के निर्माण के सम्बन्ध में महानिदेशक– चिकित्सा एवं स्वास्थ्य को पत्र प्रेषित करें।	मुख्य चिकित्सा अधीक्षक / मुख्य चिकित्सा अधिकारी–उन्नाव
यह भी संज्ञान में लाया गया कि जन–सामान्य के मध्य स्वास्थ्य की गतिविधियों के प्रचार–प्रसार हेतु एक बड़े एल0ई0डी0 टी0वी0 की आवश्यकता है, जिसमें संदेश प्रसारित किये जा सकें।	मुख्य चिकित्सा अधीक्षक को सुझाव दिया गया कि इस सम्बन्ध में महानिदेशक–परिवार कल्याण को पत्र प्रेषित करते हुए पत्र की प्रतिलिपि महाप्रबन्धक–आई0ई0सी0 को प्रेषित करें।	मुख्य चिकित्सा अधीक्षक / मु0चि0अ0–उन्नाव / महाप्रबन्धक–आई0ई0सी0

Pallavi

मुख्य चिकित्सा अधीक्षक द्वारा संज्ञान में लाया गया कि चिकित्सालय में जगह की कमी है, एक कक्ष में दो–दो डॉक्टर्स बैठते हैं।	सुझाव दिया गया कि यदि चिकित्सालय परिसर में भूमि की उपलब्धता हो तो मैप तैयार कर इस सम्बन्ध में पत्र मु0चि0अ0 स्तर से महानिदेशक–चिकित्सा एवं स्वास्थ्य को प्रेषित करें।	महानिदेशक–चिकित्सा स्वास्थ्य /अधिशासी अभियन्ता–एन0एच0एम0
अवगत कराया गया कि प्रतिदिन लगभग 250 मरीजों की ओ0पी0डी0 होती है, अतः मानव संसाधन की कमी है। मात्र एक महिला सफाई कर्मी है, अतः एक क्लीनर एवं एक स्वीपर की आवश्यकता है।	मुख्य चिकित्सा अधीक्षक को सुझाव दिया गया कि क्लीनिंग हेतु क्लीनर एवं स्वीपर के लिए निविदा के माध्यम से एजेन्सी का चयन कर सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करें।	मुख्य चिकित्सा अधीक्षक
महिला चिकित्सक की आवश्यकता बताई गई। साथ ही संज्ञान में लाया गया कि सी0एच0सी0 पर मात्र एक ही लैब टेक्नीशियन कार्यरत है एवं पैथालॉजी में लगभग 100 मरीजों की प्रतिदिन जांच की जाती है, अतः एक अन्य लैब टेक्नीशियन की आवश्यकता बताई गई। चूंकि इस एरिया में एच0आई0वी0 एवं हेपेटाइटिस–सी ज्यादा होता है, अतः स्वास्थ्य कर्मियों के चिकित्सकीय जांच की आवश्यकता बताई गई।	मुख्य चिकित्सा अधीक्षक से कहा गया कि मुख्य चिकित्सा अधिकारी–उन्नाव के माध्यम से महिला चिकित्सक एवं लैब टेक्नीशियन की तैनाती हेतु महानिदेशक– चिकित्सा एवं स्वास्थ्य को पत्र प्रेषित करते हुए पत्र की प्रतिलिपि महाप्रबन्धक–मानव संसाधन, एस0 पी0 एम0 यू0 कार्यालय को प्रेषित करें। साथ ही स्वास्थ्य कर्मियों के चिकित्सकीय जांच हेतु मु0चि0अ0–उन्नाव को पत्र प्रेषित करें।	मुख्य चिकित्सा अधीक्षक / मु0चि0अ0–उन्नाव / महानिदेशक–चिकित्सा एवं स्वास्थ्य / महाप्रबन्धक–मानव संसाधन
प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के अंतर्गत प्रत्येक माह की 9 तारीख को बैठक नियमित रूप से आयोजित की जाती है। इस अभियान के दौरान चिकित्सक द्वारा व्यापक एवं गुणवत्तापरक जांचे की जा रही है। अभियान दिवस पर आयी गर्भवती महिलाओं के बैठने एवं जलपान की व्यवस्था की जा रही है। पाया गया कि गर्भवती महिलाओं का एम0सी0पी0 कार्ड	इस सम्बन्ध में डी0पी0एम0 / डी0सी0पी0एम0 को निर्देशित किया गया कि प्रत्येक गर्भवती महिला का एम0सी0पी0 कार्ड एवं ए0एन0सी0 रजिस्टर पर	डी0पी0एम0–उन्नाव / डी0सी0पी0एम0–उन्नाव / मुख्य चिकित्सा अधीक्षक / महाप्रबन्धक–मातृ स्वास्थ्य

Pallavi

एवं ए0एन0सी0 रजिस्टर पर अंकन नहीं था।	अंकन तत्काल सुनिश्चित करवायें।	
ब्लॉक प्रोग्राम मैनेजर कार्यरत नहीं है तथा बी0सी0पी0एम0 ने दो दिन पहले ही ज्वाइन किया है।	मुख्य चिकित्सा अधीक्षक को सुझाव दिया गया कि बी0पी0एम0 की तैनाती हेतु मु0चि0अ0 के माध्यम से एस0पी0एम0यू0 कार्यालय को पत्र प्रेषित करें।	मुख्य चिकित्सा अधीक्षक /मु0चि0अ0 / महाप्रबन्धक–मानव संसाधन
आयुष के दो डॉक्टर (1 महिला एवं 1 पुरुष) कार्यरत हैं, परन्तु आयुष फार्मासिस्ट नहीं है।	सुझाव दिया गया कि आयुष फार्मेसिस्ट की तैनाती के सम्बन्ध में एक पत्र महानिदेशक–चिकित्सा एवं स्वास्थ्य को प्रेषित करें तथा पत्र की प्रतिलिपि एस0पी0एम0यू0 कार्यालय को पत्र प्रेषित करें।	मुख्य चिकित्सा अधीक्षक / मु0चि0अ0–उन्नाव / महाप्रबन्धक–आयुष
102 एम्बुलेन्स में ए0सी0 कार्य नहीं कर रहे थे तथा उपलब्ध औषधियां भी एक्सपायरी डेट के निकट पाई गईं। साथ ही एम्बुलेन्स में साफ–सफाई की कमी थी।	प्रोग्राम मैनेजर–जी0वी0के0 / ई0एम0आर0आई0 तथा श्री राजेश कुमार, टेक्नीशियन को निर्देशित किया गया कि एम्बुलेन्स का ए0सी0 तत्काल ठीक करायें तथा जो औषधियां एक्सपायरी डेट के निकट हैं, उनका प्रयोग पहले करें अन्य आवश्यक औषधियां सक्षम स्तर से प्राप्त करते हुए एम्बुलेन्स में रखें तथा एम्बुलेन्स की सफाई का विशेष ध्यान रखा जाय।	मुख्य चिकित्सा अधीक्षक / मु0चि0अ0–उन्नाव / प्रोग्राम मैनेजर–जी0वी0के0 / ई0एम0 आर0आई0 उपमहाप्रबन्धक–ई0एम0टी0एस0
सी0एच0सी0 पर दो आर0बी0एस0के0 टीम कार्यरत हैं। आर0बी0एस0के0 टीम क्षेत्र भ्रमण के पश्चात वापस आकर सी0एच0सी0 पर मौजूद थी। टीम द्वारा समस्त कार्य सुचारु रूप से किया जा रहा है। आर0बी0एस0के0 टीम का माइक्रोप्लान उपलब्ध था। टीम द्वारा अवगत कराया गया कि टीम के पास स्टेथेस्कोप नहीं है।	डी0पी0एम0 को सुझाव दिया गया कि चिकित्सा इकाई को आवंटित धनराशि से स्टेथेस्कोप की व्यवस्था सुनिश्चित करायें।	मुख्य चिकित्सा अधीक्षक / डी0पी0एम0 / महाप्रबन्धक–आर0बी0एस0के0

Pallavi

एडीशनल पी0एच0सी0–चमरौली, जनपद–उन्नाव		
डॉ0 सिद्धार्थ कुमार, प्रभारी चिकित्सा अधिकारी उपस्थित थे। उन्होंने अवगत कराया कि विगत माह 8 प्रसव पी0एच0सी0 पर किये गये। प्रसवों का रिकॉर्ड सादे रजिस्टर पर कॉलम बनाकर रखा जा रहा था। 1 बिस्तर का लेबर रूम था, लेबर रूम का कैलिस पैड अच्छी स्थिति में नहीं था।	प्रभारी चिकित्सा अधिकारी को सुझाव दिया गया कि वे मु0चि0अ0–उन्नाव को पत्र लिखकर समस्त व्यवस्थायें सुनिश्चित करवायें।	प्रभारी चिकित्सा अधिकारी / मु0चि0अ0–उन्नाव
पी0एच0सी0 स्तर पर कोई स्टाफ नर्स नहीं है, मात्र 1 ए0एन0एम0 सुश्री शशि कार्यरत हैं। ए0एन0एम0 पी0एच0सी0 पर निवास करती हैं। डॉ0 सिद्धार्थ कुमार भी पी0एच0सी0 पर निवास करते हैं। प्रभारी चिकित्सा अधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि पी0एच0सी0 स्तर पर वे ही मात्र एक डॉक्टर है, अतः एक अन्य डॉक्टर की आवश्यकता है। प्राथमिकता महिला चिकित्सा अधिकारी की है।	प्रभारी चिकित्सा अधिकारी को सुझाव दिया गया कि वे मुख्य चिकित्सा अधिकारी के माध्यम से महानिदेशक– चिकित्सा एवं स्वास्थ्य तथा एस0पी0एम0यू0 कार्यालय में महाप्रबन्धक–मातृ स्वास्थ्य को पत्र प्रेषित करें।	प्रभारी चिकित्सा अधिकारी / मु0चि0अ0–उन्नाव / महाप्रबन्धक–मानव संसाधन / महाप्रबन्धक–मानव संसाधन
समस्त आवश्यक औषधियां औषधि कक्ष में उपलब्ध थी। असेन्शियल ड्रग लिस्ट प्रदर्शित थी। न्यू बॉर्न केयर कॉर्नर बना था। माइनर सर्जरी हेतु ऑपरेशन कक्ष को कियाशील करने की आवश्यकता बताई गई।	टीम द्वारा सुझाव दिया गया कि माइनर सर्जरी हेतु ऑपरेशन कक्ष को कियाशील करने के सम्बन्ध में मुख्य चिकित्सा अधिकारी–उन्नाव को पत्र प्रेषित करें।	प्रभारी चिकित्सा अधिकारी / मु0चि0अ0–उन्नाव
प्रभारी चिकित्सा अधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि पी0एच0सी0 पर wiring काफी पुरानी हो चुकी है, जिससे विद्युत उपकरण लोड नहीं उठा पाते हैं। Wiring में सुधार की आवश्यकता है। पी0एच0सी0 पर प्रचार–प्रसार की कमी पाई गई।	प्रभारी चिकित्सा अधिकारी से कहा गया कि वे इस सम्बन्ध में मु0चि0अ0–उन्नाव को पत्र प्रेषित करें तथा पी0एच0सी0 पर प्रचार–प्रसार करायें।	प्रभारी चिकित्सा अधिकारी / मु0चि0अ0–उन्नाव / महाप्रबन्धक–आई0ई0सी0
द्वितीय दिवस–28.06.2018 **वी0एच0एन0डी0 सत्र हिमाचल खेड़ा, ग्राम पंचायत शेखपुर नरी, जनपद–उन्नाव**		
श्रीमती शिल्पी यादव,	मु0चि0अ0 उन्नाव को इस	ब्लॉक प्रोग्राम मैनेजर / मु0चि0अ0 उन्नाव

Pallavi

ए0एन0एम0, सुश्री ममता देवी आंगनवाड़ी एवं श्रीमती माया देवी व रीना देवी आशा उपस्थित थीं। वी0एच0एन0डी0 सत्र पर वजन नापने की मशीन थी, परन्तु बी0पी0 नापने की मशीन उपलब्ध नहीं थी। ए0एन0एम0 से पूछने पर बताया गया कि पूर्व से कार्यरत ए0एन0एम0 द्वारा अभी चार्ज हस्तान्तरित नहीं किया गया है।	सम्बन्ध में अवगत कराया गया तथा अनुरोध किया गया कि शीघ्रातिशीघ्र ए0एन0एम0 को चार्ज हस्तान्तरित करवाने का कष्ट करें। साथ ही बी0पी0एम0 को निर्देशित किया गया कि सेवानिवृत्त हो चुकी ए0एन0एम0 से शीघ्र सम्पर्क कर श्रीमती शिल्पी यादव, ए0एन0एम0 को चार्ज हस्तान्तरित करवायें।	
सत्र पर लगभग 10 गर्भवती महिलायें उपस्थित थीं, उनको टी0टी0 के टीके एवं अन्य आवश्यक परामर्श प्रदान किया जा रहा था। ए0एन0एम0 द्वारा परिवार नियोजन के बारे में महिलाओं को जानकारी नहीं दी जा रही थीं, जिसके लिए ए0एन0एम0 को निर्देशित किया गया कि वे परिवार नियोजन की सलाह अवश्य प्रदान करें।	मु0चि0अ0–उन्नाव से अनुरोध किया गया कि समस्त कार्यवाही सुनिश्चित करने हेतु श्रीमती शिल्पी यादव, ए0एन0एम0 को निर्देशित करने का कष्ट करें।	डी0पी0एम / बी0पी0एम0 / ए0एन0एम0 / मु0चि0अ0–उन्नाव
वी0एच0एन0डी0 सत्र पर स्टेथेस्कोप, यूरिन स्ट्रिप विटामिन–ए सिरप एवं माइक्रोप्लान उपलब्ध नहीं था। हब कटर का प्रयोग किया जा रहा था। आशा के पास ड्यू लिस्ट उपलब्ध थी।	ब्लॉक प्रोग्राम मैनेजर को निर्देशित किया गया कि वी0एच0एन0डी0 सत्र पर समस्त आवश्यक उपकरण तथा औषधियां यथाशीघ्र श्रीमती शिल्पी यादव, ए0एन0एम0 उपलब्ध करवायें।	बी0पी0एम0 / ए0एन0एम0 / मु0चि0अ0 उन्नाव
उमाशंकर दीक्षित महिला चिकित्सालयः–		
मुख्य चिकित्सा अधीक्षक द्वारा अवगत कराया गया कि चिकित्सालय में चौबीसों घंटे पैथालॉजी जांच आवश्यक है। चिकित्सालय में मानव संसाधन की कमी है। उन्होंने अवगत कराया कि नियमित सेवा का एक लैब टेक्नीशियन कार्यरत है, जिससे काफी परेशानी होती है, अतः एक अन्य लैब टेक्नीशियन की आवश्यकता बताई गई।	मुख्य चिकित्सा अधीक्षक को सुझाव दिया गया कि लैब टेक्नीशियन हेतु एक पत्र महानिदेशक–चिकित्सा एवं स्वास्थ्य को तथा पत्र की प्रतिलिपि एस0पी0एम0यू0 कार्यालय को प्रेषित करें।	मुख्य चिकित्सा अधीक्षक / मु0चि0अ0–उन्नाव / महाप्रबन्धक–मानव संसाधन

सुश्री राम लली सिंह, ओ0टी0 इंचार्ज उपस्थित थीं। उनके साथ ओ0टी0 का भ्रमण किया गया, उनके द्वारा अवगत कराया गया कि ओ0टी0 में मात्र एक ए0सी0 है, जो काफी पुराना है एवं अधिकांश समय खराब रहता है, अतः एक ए0सी0 की अत्यधिक आवश्यकता बताई गई। इमरजेन्सी इक्युपमेन्ट्स हैं, परन्तु ब्लड बैंक नहीं है। संज्ञान में लाया गया कि ब्लड बैंक पुरुष चिकित्सालय में है, आवश्यकता पड़ने पर वहीं से ब्लड मंगाया जाता है।	सुझाव दिया गया कि मुख्य चिकित्सा अधीक्षक द्वारा ए0सी0 की व्यवस्था हेतु पत्र मुख्य चिकित्सा अधिकारी–उन्नाव को किया जाय।	मुख्य चिकित्सा अधीक्षक/ मुख्य चिकित्सा अधिकारी–उन्नाव
ए0एल0एस0 एम्बुलेन्स हेतु श्री योगेश सिंह टेक्नीशियनन एवं श्री संदीप मौजूद थे साथ ही जी0वी0के0 के ई0एम0टी0 भी उपलब्ध थे। ए0एल0एस0 हेतु आवंटित 49 औषधियों में से मात्र 10 औषधियां ही उपलब्ध थी। अवगत कराया गया कि सूची के अनुसार मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय में औषधियां उपलब्ध नहीं है।	इस सम्बन्ध में जी0वी0के0–ई0एम0टी0 को निर्देशित किया गया कि समय से समस्त औषधियों की आपूर्ति सुनिश्चित करायें।	उपमहाप्रबन्धक–ई0एम0टी0एस0/ प्रबन्धक–जी0वी0के0–ई0एम0आर0आई0

नवाबगंज, एफ0आर0यू0 / सी0एच0सी0

मुख्य चिकित्सा अधीक्षक–नवाबगंज, एफ0आर0यू0 / सी0एच0सी0 के साथ भ्रमण के उद्देश्यों के सम्बन्ध में बैठक की गई। तत्पश्चात सी0एच0सी0 की प्रत्येक इकाई का सहयोगात्मक पर्यवेक्षण किया गया। श्री नीरज पाण्डे, सीनियर असिस्टेन्ट, मो0 इंतजार अहमद सिद्दीकी, डी0पी0एम0–उन्नाव एवं सुश्री संगीता, बी0सी0पी0एम0 भी मौजूद थीं। चिकित्सालय के रख–रखाव हेतु रु0 4.50 लाख की धनराशि प्रति वर्ष आवंटित की जाती है, जो काफी कम है।

जननी सुरक्षा योजना का भुगतान हो गया है। प्रधान मंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान 9 जून, 2018 को सम्पन्न हुआ है। सी0एच0सी0 स्तर पर एन0बी0एस0यू0 कियाशील है एवं एस0एन0सी0यू0 नहीं है। नियमित टीकाकरण कार्यक्रम के अंतर्गत 10 जुलाई, 2018 को प्रस्तावित आई0पी0सी0 प्रशिक्षण में ए0एन0एम0 एवं आशा को प्रशिक्षण प्रदान किया जायेगा। नियमित टीकाकरण कार्यक्रम का माइक्रोप्लान उपलब्ध था। फैमिली वेल्फेयर काउन्सलर्स मौजूद थीं, उनके द्वारा परिवार नियोजन की सलाह सुचारु रूप से दी जा रही थी। प्रचार–प्रसार सामग्री यथास्थान प्रदर्शित थी।

147 के लक्ष्य के सापेक्ष 140 आशायें तथा 30 के लक्ष्य के सापेक्ष 22 नर्स मेन्टर्स चयनित हो गई हैं। सी0एच0सी0 पर कुल 6 एम्बुलेन्सेज कियाशील हैं, जिनमें 4 एम्बुलेन्सेज 102 की हैं तथा 2 एम्बुलेन्सेज 108 हैं। एम्बुलेन्स के पायलट श्री विनोद कुमार अवस्थी तथा टेक्नीशियन श्री राजेश कुमार वर्मा उपस्थित थे। पुनरीक्षित राष्ट्रीय क्षय नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत डॉट्स प्रणाली के माध्यम से 1 रोगी टी0बी0 का पाया गया तथा 1 रोगी संदेहात्मक टी0बी0 का पाया गया।

फार्मेसी कक्ष में समस्त औषधियां पर्याप्त संख्या में उपलब्ध थीं। ई0डी0एल0, सिटीजन चार्टर प्रदर्शित था एवं शिकायत पेटिका उपलब्ध थी। दंत चिकित्सक द्वारा अवगत कराया गया कि सी0एच0सी0 पर डेन्टल चेयर उपलब्ध है, परन्तु इन्स्ट्रूमेन्ट नहीं हैं। महिला चिकित्सक, नेत्र चिकित्सक आदि चिकित्सक उपस्थित थे।

सी0एच0सी0 पर दो आर0बी0एस0के0 टीम कार्यरत हैं। आर0बी0एस0के0 टीम क्षेत्र भ्रमण के पश्चात वापस आकर सी0एच0सी0 पर मौजूद थी। टीम द्वारा समस्त कार्य सुचारु रूप से किया जा रहा है। आर0बी0एस0के0 टीम का माइक्रोप्लान उपलब्ध था।

जननी सुरक्षा योजना के अन्तर्गत भुगतान की गई धनराशि का रजिस्टर देखा गया। सी0एम0एस0 द्वारा अवगत कराया गया कि सी0एच0सी0 पर वर्ष 2018–19 में 20 जून, 2018 तक कुल 520 प्रसव हुए हैं। 430 लाभार्थियों को जननी सुरक्षा योजना का भुगतान कर दिया गया है। आशाओं को 100 प्रतिशत भुगतान कर दिया गया है।

एक्सरे कक्ष में में श्री ज्ञानेन्द्र श्रीवास्तव, एक्सरे टेक्नीशियन मौजूद थे, उनके द्वारा अवगत कराया गया कि प्रतिदिन 6–7 एक्सरे होते हैं। महिला वॉर्ड में ए0सी0 अथवा कूलर नहीं है, मात्र पंखे चल रहे थे। जे0एस0एस0के0 के अंतर्गत लाभार्थियों को नाश्ता एवं भोजन प्रदान किया जा रहा था, जिसके रख–रखाव सम्बन्धी रजिस्टर एवं बर्थ रजिस्टर सही पाया गया। महिला वॉर्ड में टेलीविज़न कियाशील था। लेबर रूम में 7 ट्रे उपलब्ध थीं। लेबर रूम में पार्टोग्राफ का चार्ट एवं घड़ी प्रदर्शित थी। बेबी कॉर्नर बना हुआ था। एन0एस0वी0 किट उपलब्ध थी। एन0बी0एस0यू0 में रेडिएटन्ट वॉर्मर उपलब्ध था। ब्लॉक एकाउन्ट्स मैनेजर सुश्री श्वेतांजलि धूसिया उपस्थित थीं, जिनके द्वारा समस्त कार्य सुचारु रूप से किये जा रहे थे। पैथोलॉजी में श्री अनिल कुमार, लैब टेक्नीशियन तथा श्री पुरुषोत्तम लाल भारती, लैब टेक्नीशियन कार्य सम्पादित कर रहे थे। उनके द्वारा अवगत कराया गया कि पैथोलॉजी में री–एजेन्ट्स नहीं है। ए0एन0एम0 एवं आशा संगिनी प्रशिक्षण चल रहा था। कोल्ड चेन रख–रखाव सुचारु रूप से किया जा रहा था।

उमाशंकर दीक्षित महिला चिकित्सालयः–

सर्वप्रथम डॉ0 अंजू सिंह, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक से मुलाकात की गई। डॉ0 तौशीफ, फिजियोलॉजिस्ट, डॉ0 राम खिलावन, बाल रोग विशेषज्ञ, डॉ0 संजू अग्रवाल, महिला रोग विशेषज्ञ एवं श्रीमती ममता श्रीवास्तव, हॉस्पिटल मैनेजर–यू0पी0एच0एस0एस0पी0 भी उपस्थित थे। डॉ0 तौशीफ एवं हॉस्पिटल मैनेजर तथा डी0पी0एम0–उन्नाव के साथ चिकित्सालय की प्रत्येक इकाई का भ्रमण किया गया। चिकित्सालय में प्रचार–प्रसार गतिविधियां यथास्थान प्रदर्शित थीं।

सुश्री पूजा सिंह, फैमिली वेल्फेयर काउन्सलर उपस्थित थीं, उनके द्वारा लाभार्थियों को परिवार नियोजन की विभिन्न गतिविधियों के बारे में जानकारी दी जा रही थी। असेन्शियल ड्रग लिस्ट प्रदर्शित थी, शिकायत पेटिका भी यथास्थान लगी थी। श्रीमती लता सिंह सिस्टर इन्चार्ज द्वारा अच्छा कार्य किया जा रहा है। पोस्ट ऑपरेटिव वॉर्ड का भ्रमण किया गया, जहां समस्त सेवायें सुचारु रूप से प्रदान की जा रही थी। चिकित्सालय में कंगारु मदर केयर 6 बेड का कियाशील है। प्रसवोपरान्त महिलाओं को नाश्ता एवं भोजन समय से प्रदान किया जा रहा था। जे0एस0एस0के0 रजिस्टर सही पाया गया। हॉस्पिटल मैनेजर द्वारा एक पृथक रजिस्टर बनाया गया है, जिसमें जिन महिलाओं को भोजन दिया जाता है, उनके हस्ताक्षर अथवा अंगूठे के निशान लिये जा रहे हैं। यह अच्छी पहल है। सुश्री शिखा द्विवेदी, डाइटीशियन उपस्थित थी, उनके द्वारा लाभार्थियों को सुचारु डाइट लेने के लिए बताया जा रहा था, डाइट चार्ट प्रदर्शित था। इस कार्ड की कॉपी प्रत्येक लाभार्थी को छुट्टी के समय दी जा रही थी। भ्रमण के दिन 8 सामान्य प्रसव हुए थे एवं 2 प्रसव ऑपरेशन के हुए थे। किचन बहुत साफ–सुथरा था।

एन0आर0सी0 में डॉ0 वी0के0 गुप्ता उपस्थित थे। उनके द्वारा बहुत अच्छा कार्य किया जा रहा है, 3 डॉक्टर्स एवं 8 स्टाफ नर्सें कार्यरत हैं। जो बच्चे एन0आर0सी0 में भर्ती थे, उनकी उचित देखभाल की जा रही थी। एस0एन0सी0यू0 कियाशील है। आई0वाई0सी0एफ0 का प्रशिक्षण चल रहा था। डॉक्टर्स की ड्यूटी का रोस्टर रजिस्टर उचित पाया गया। सफाई कर्मियों की ड्यूटी का रजिस्टर पृथक बना हुआ है।

उमाशंकर दीक्षित पुरुष चिकित्सालयः–

श्री लालता प्रसाद, मुख्य चिकित्सा अधिकारी–उन्नाव द्वारा मुख्य चिकित्सा अधीक्षक पुरुष चिकित्सालय का कार्य देखा जा रहा है। डॉ0 मो0 आरिफ, क्वालिटी मैनेजर–एन0एच0एम0 उपस्थित थे। उनके द्वारा अवगत कराया गया कि क्वालिटी एश्योरेन्स प्रोग्राम की बैठक नियमित रूप से हो रही है। आर0बी0एस0के0 टीम द्वारा समस्त कार्य सुचारु रूप से किया जा रहा था। कोल्ड चेन व्यवस्था सुचारु रूप से की जा रही थी। चिकित्सालय की फैसिलिटी ब्राण्डिंग 'स्वान' संस्था द्वारा की जा रही है। फायर फाइटिंग के कार्य हेतु फायर ऑडिट पेण्डिंग है। सिटी स्कैन यूनिट के निर्माण का कार्य प्रकियाधीन है, जिसके लिए 125 के0वी0ए0 के विद्युत भार हेतु बिजली विभाग से सम्पर्क किया गया है।

नेशनल अरबन हेल्थ मिशन, उन्नावः–

एन0यू0एच0एम0 के अंतर्गत जनपद–उन्नाव में 2 इकाइयां–उन्नाव सिटी एवं गंगाघाट शुक्लागंज कियाशील हैं, जिनमें कुल 57 स्लम बस्तियां हैं। उन्नाव सिटी में 3 अरबन यू0पी0एच0सी0 (यू0पी0एच0सी0–मोतीनगर, यू0पी0एच0सी0–पुरानी बाजार, एवं यू0पी0एच0सी0 कांशीराम कॉलानी) स्वीकृत हैं। शुक्लागंज में 2 यू0पी0एच0सी0 (चम्पापुरवा एवं ब्राह्मणपुर) स्वीकृत है। अरबन हेल्थ कोऑर्डिनेटर एवं अरबन डेटा कम एकाउन्ट असिस्टेन्ट कार्यरत हैं।

नगरीय मलिन बस्तियों में स्पेशल आउटरीच कैम्प प्रति यू0पी0एच0सी0 प्रतिमाह आयोजित किये जा रहे हैं। ए0एन0एम0 द्वारा प्रतिमाह 4 अरबन हेल्थ न्यूट्रीशन डे आंगनवाड़ी सेन्टर पर आयोजित किये जा रहें हैं। माह के प्रत्येक बुद्धवार एवं शनिवार को नियमित टीकाकरण सत्र ए0एन0एम0 द्वारा आंगनवाड़ी सेन्टर पर आयोजित किये जा रहें हैं।

तत्पश्चात् मुख्य चिकित्सा अधिकारी–उन्नाव के कक्ष में उक्त दिवसों में किये गये भ्रमण के सम्बन्ध में फीड बैक बैठक की गई तथा पाई गई कमियों के सम्बन्ध में अवगत कराया गया। तदोपरान्त जिला कार्यक्रम प्रबन्धन इकाई के समस्त कर्मियों के साथ बैठक की गई। बैठक में डी0पी0एम0, डी0सी0पी0एम0, डी0ए0एम0, अरबन हेल्थ कोऑर्डिनेटर, डी0ई0आई0सी0 मैनेजर उपस्थित थे। साथ ही जी0वी0के0–ई0एम0आर0आई0 के अधिकारियों के साथ भी बैठक की गई, बैठक में श्री स्वप्निल, श्री विराट, ई0एम0टी0 एवं श्री मनीष प्रोग्राम मैनेजर, जी0वी0के0–ई0एम0आर0आई0 उपस्थित थे। उनके द्वारा अवगत कराया गया कि जनपद–उन्नाव में 102 एम्बुलेन्स–43, 108 एम्बुलेन्स–26 एवं ए0एल0एस0 की 2 एम्बुलेन्स कियाशील है। ए0एल0एस0 एम्बुलेन्स में रखी जाने वाली 49 औषधियों में से मात्र 10 औषधियां ही एम्बुलेन्स में रखी गईं थीं। जी0वी0के0 के कर्मियों को निर्देशित किया गया कि एम्बुलेन्स वाहन बहुत खराब स्थित में है, इनका मेन्टीनेन्स कराया जाय। कतिपय वाहन काफी पुराने हैं, जिनको replace किया जाय।

Pallavi